ASSOCHAM IN THE NEWS

Dainik Navjyolti (Udaipur) **11 January, 2017**

कृषि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की बड़ी सम्भावनाएं

कृषि खाद्य प्रसंस्करण-वित्त, तकनीकी एवं बाजार पर संगोष्ठी

उदयपुर। खाद्य एवं प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, एसोसियेटेड चैम्बर्स ऑफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री (एसोचेम) इण्डिया, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं उदयपुर चैम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री के संयुक्त तत्वाधान में एग्री एण्ड फूड प्रोसेसर कान्क्लेव फाईनेन्स, टेक्नोलोजी, मार्केट पर संगोष्ठी मंगलवार को राजस्थान कृषि महाविद्यालय के सभागार में हुई। मुख्य अतिथि सांसद अर्जुन लाल मीणा ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे राजस्थान के आर्थिक विकास एवं कृषि का मुख्य आधार स्तम्भ बताया। उन्होंने कहा कि कृषि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की राजस्थान में विपुल सम्भावनाएं हैं। इससे कृषि में रोजगार सृजन के साथ ही प्रदेश की आर्थिकी, उत्पादन एवं उत्पादकता में भी विकास होगा।

विशिष्ठ अतिथि प्रो. उमा शंकर शर्मा, कुलपति एमपीयूएटी ने विश्वविद्यालय में किये जा रहे खाद्य प्रसंस्करण अनुसन्धान एवं परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुये क्षेत्र में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 10 हजार सूक्ष्म एवं लघु खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां प्रदेश में सक्रिय हैं। एसोचेम के सहायक निदेशक चेतन विज ने एसोचेम द्वारा कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना एवं इसकी जागरूकता बढ़ाने में एसोचेम के प्रयासों से सदन को अवगत कराया। यू.सी.सी.आई. के अध्यक्ष वी.पी. राठी ने राजस्थान में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में नव-रोजगार के सृजन की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। राजस्थान खाद्य प्रसंस्करण मिशन के निदेशक एल. सी. जैन ने राज्य में स्टेट फूड प्रोसेसिंग की स्थापना एवं प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विकास की सम्भावनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

एस.बी.बी.जे. के उप महाप्रबन्धक विनीत कुमार ने बैंक द्वारा पोषित विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी दी। राजस्थान कृषि महाविद्यालय की अधिष्ठाता एवं आयोजन सचिव डॉ. अनिला दोशी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में मेगा फूड पार्क के निदेशक अजय कुमार गुप्ता, डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एल.के. मुर्डिया, उप निदेशक उद्यानिकी पी.एल. मीणा, नाबार्ड के उप महाप्रबन्धक विजेन्द्र सिंह, एसबीबीजे के उप महाप्रबन्धक विनित कुमार, अनुसन्धान निदेशक डॉ. एस.एस. बुडरक एवं क्षेत्रीय अनुसन्धान निदेशक एमपीयूएटी डॉ. एस.के. शर्मा भी ने भी सम्बोधित किया।

Rajasthan Patrika (Udaipur) **11 January, 2017**

आरसीए में पोस्टर का विमोचन करते अतिथि।

फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री आज की जरूरत

उदयपुर. फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री आज की महती आवश्कता है। कृषि और फूड प्रोसेसिंग में सामंजस्य भी करने की जरुरत है। इससे एक और सिर्फ कृषि उत्पाद पर निर्भरता कम होगी। किसानों के आर्थिक हालात में सुधार होगा, वहीं विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। महाराणा प्रताप कृषि व प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के आरसीए सभागार में आयोजित एग्री एंड फूड प्रोसेसिंग कॉन्कलेव में यह बात मुख्य अतिथि सांसद अर्जुन लाल मीणा ने कही। कुलपति डॉ. उमा शंकर शर्मा फूड प्रोसेसिंग के लिए कार्य कर रही यूनिट के बारे में बताया। उन्होंने उत्पादन को 200 मेट्रिक टन किए जाने की बात पर जोर दिया। एलसी. जैन ने फूड और कृषि के क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। इन्कलेव की पुस्तिका का विमोचन भी किया। डीन प्रो. अनिला दोशी ने आभार जताया।

ASSOCHAM IN THE NEWS

Jai Rajasthan (Udaipur) **11 January, 2017**

राजस्थान मे कृषि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की विपुल सम्भावनाऐं

कृषि खाद्य प्रसंस्करण-वित्त, तकनीकी एवं बाजार पर संगोष्ठी

उदयपुर, 10 जनवरी 2017, खाद्य एवं प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, एसोसियेटेड चैम्बर्स ऑफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री (एसोचेम) इण्डिया, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं उदयपुर चैम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री के संयुक्त तत्वाधान में एग्री एण्ड फूड प्रोसेसर कान्क्लेव : फाईनेन्स, टेक्नोलोजी, मार्केट पर एक दिवसीय संगोष्ठी, मंगलवार को राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर के सभागार में सम्पन्न हुई।

समारोह के मुख्य अतिथि श्री अर्जुन लाल मीणा, माननीय सांसद उदयपुर ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुये इसे राजस्थान के आर्थिक विकास एवं कृषि का मुख्य आधार स्तम्भ बताया, उन्होने कहा कि कृषि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की राजस्थान में विपुल सम्भावनाऐं है। इससे कृषि में

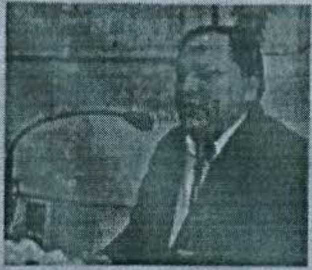

रोजगार सृजन के साथ ही प्रदेश की आर्थिकी, उत्पादन एवं उत्पादकता में भी विकास होगा। उन्होने सरकारी योजनाओं के अधिकाधिक प्रचार-प्रसार एवं लाभ लेने पर जोर दिया साथ ही सभा में उपस्थित बैंकर्स एवं एसोचेम से भी मेवाड़ के कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को द्रुत गति से बढ़ाने के प्रयास करने पर बल दिया।

कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि प्रो० उमा शंकर शर्मा, माननीय कुलपति एमपीयूएटी उदयपुर ने विश्वविद्यालय में किये जा रहे खाद्य प्रसंस्करण अनुसन्धान एवं परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुये क्षेत्र मे कृषि, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना पर जोर दिया। उन्होने कहा कि वर्तमान में 10 हजार सूक्ष्म एवं लघु खाद्य प्रसंस्करण इकाईयाँ प्रदेश में सक्रिय है। उन्होने बताया कि राजस्थान में 4 से 6 लाख टन मक्का का उत्पादन होता है तथा बांसवाड़ा में रबी में भी मक्का का अच्छा उत्पादन लिया जाता है, इसे देखते हुये यहाँ पर 100 से 200 मेट्रीक टन क्षमता का मक्का प्रसंस्करण उद्योग स्थापित किया जा सकता है।

Pratahkal (Udaipur) **11 January, 2017**

राजस्थान में कृषि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की विपुल सम्भावनाएं

कृषि खाद्य प्रसंस्करण-वित्त, तकनीकी एवं बाजार पर संगोष्ठी

उदयपुर। खाद्य एवं प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, एसोसियेटेड चैम्बर्स ऑफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री (एसोचेम) इण्डिया, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं उदयपुर चैम्बर ऑफकामर्स एण्ड इण्डस्ट्री के संयुक्त तत्वाधान में एग्री एण्ड फूड प्रोसेसर कान्क्लेव: फाईनेन्स, टेक्नोलोजी, मार्केट पर एक दिवसीय संगोष्ठी, मंगलवार को राजस्थान कृषि महाविद्यालय सभागार में संपन्न हुई।

समारोह के मुख्य अतिथि सांसद अर्जुन लाल मीणा ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे राजस्थान के आर्थिक विकास एवं कृषि का मुख्य आधार स्तम्भ बताया। उन्होंने कहा कि कृषि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की राजस्थान में विपुल सम्भावनाएं हैं। इससे कृषि में रोजगार सृजन के साथ ही प्रदेश की आर्थिकी, उत्पादन एवं उत्पादकता में भी विकास होगा। उन्होंने सरकारी योजनाओं के अधिकाधिक प्रचार-प्रसार एवं लाभ लेने पर जोर दिया साथ ही सभा में उपस्थित बैंकर्स एवं एसोचेम से भी मेवाड़ के कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को द्रत गति से बढ़ाने के प्रयास करने पर बल दिया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. उमाशंकर शर्मा कुलपति एमपीयूएटी ने विश्वविद्यालय में किये जा रहे खाद्य प्रसंस्करण अनुसन्धान एवं परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुये क्षेत्र में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना पर जोर दिया।

इस अवसर पर एसोचेम के सहायक निदेशक चेतन विज ने एसोचेम द्वारा कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना एवं इसकी जागरूकता बढ़ाने में एसोचेम के प्रयासों से सदन को अवगत कराया। यू.सी.सी.आई. उदयपुर के अध्यक्ष वी.पी. राठी ने राजस्थान में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में नव-रोजगार के सृजन की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। राजस्थान खाद्य प्रसंस्करण मिशन के निदेशक एल. सी. जैन ने राज्य में स्टेट फूड प्रोसेसिंग की स्थापना एवं प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विकास की सम्भावनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। एस.बी.बी.जे. के उप महाप्रबन्धक, विनीत कुमार ने बैंक द्वारा पोषित विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी दी व एवं कृषि व खाद्य प्रसंस्करण उद्योग द्वारा रोजगार सृजन की प्रबल सम्भावनाऐं बताते हुए नाबार्ड द्वारा खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के विकास एवं क्षमतावर्द्धन हेतु 2 हजार करोड़ रूपये स्वीकृत करने की जानकारी दी।